भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- #142

उत्तर देने की तारीख- 07/12/2022

जनजातीय क्षेत्रों की समस्याएं

142 # श्रीमती फुलो देवी नेतम:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनजातीय बहुल राज्यों जैसे कि छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में जनजातीय लोगों की सामाजिक, आर्थिक असमानता और पिछड़ेपन से संबंधित आंकडों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) उक्त राज्यों में जनजातीय लोगों को कौन-कौन सी मुख्य समस्याऐ पेश आती हैं, सरकार द्वारा उक्त समस्याओं के समाधान के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्रीमती रेणुका सिंह सरुता)

(क) और (ख): छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक राज्यों के लिए कुछ सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के अनुमान नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	राज्य/ संकेतक	साक्षरता दर		लिंग अनुपात		माध्यमिक स्तर 2021-22 पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)	
		अजजा	सभी	अजजा	सभी	अजजा	सभी
1	छत्तीसगढ़	59.1	70.3	1020	991	70.5	78.3
2	झारखंड	57.1	66.4	1003	948	61.4	68.4
3	मध्य प्रदेश	50.6	69.3	984	931	59.4	70
4	राजस्थान	52.8	66.1	948	928	76.8	79.2
5	ओडिशा	52.2	72.9	1029	979	84.2	80.3
6	महाराष्ट्र	65.7	82.3	977	929	93.8	93.7
7	गुजरात	62.5	78.0	981	919	76.2	75.2
8	आंध्र प्रदेश	48.8	67.4	1009	993	81.6	85.4
9	पश्चिम बंगाल	57.9	76.3	999	950	102.5	88.2
10	कर्नाटक	62.1	75.4	990	973	91.8	94.7
स्रोत: साक्षरता दर, लैंगिक अनुपात: जनगणना 2011, जीईआर: यूडीआईएसई+, शिक्षा मंत्रालय 2021-22							

क्र.सं.	राज्य	गरीबी रेखा से नीचे के व्यक्तियों का प्रतिशत, 2011-12 (तेंदुलकर पद्धति)			
		ग्रामीण		शहरी	
		अजजा	सभी	अजजा	सभी
1	छत्तीसगढ़	52.6	44.6	35.2	24.8
2	झारखंड	51.6	40.8	28.7	24.8
3	मध्य प्रदेश	55.3	35.7	32.3	21.0
4	राजस्थान	41.4	16.1	21.7	10.7
5	ओडिशा	63.5	35.7	39.7	17.3
6	महाराष्ट्र	61.6	24.2	23.3	9.1
7	गुजरात	36.5	21.5	30.1	10.1
8	आंध्र प्रदेश	24.1	11.0	12.1	5.8
9	पश्चिम बंगाल	50.1	22.5	44.5	14.7
10	कर्नाटक	30.8	24.5	33.7	15.3
स्रोत: नीति आयोग - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण डेटा के आधार पर पूर्ववर्ती योजना आयोग					

क्र.सं.	राज्य/ संकेतक	शिशु मृत्यु दर		संस्थागत वितरण (%)		(5) वर्ष से कम उम्र के कम वजन वाले बच्चों की व्यापकता (%) (उम्र के अनुसार वज़न)	
		अजजा	सभी	अजजा	सभी	अजजा	सभी
1	छत्तीसगढ़	58.0	44.2	77.4	85.7	36.3	31.3
2	झारखंड	44.4	37.9	66.4	75.8	46.4	39.4
3	मध्य प्रदेश	41.3	41.3	82.0	90.7	39.8	33.0
4	राजस्थान	43.2	30.2	94.0	94.9	32.0	27.6
5	ओडिशा	55.9	36.3	82.8	92.2	42.1	29.7
6	महाराष्ट्र	31.1	23.2	84.8	94.7	46.5	36.1
7	गुजरात	31.9	31.2	89.3	94.3	48.7	39.7
8	आंध्र प्रदेश	उपलब्ध नहीं	30.2	89.3	96.5	46.3	29.6
9	पश्चिम बंगाल	(26.7)	22.0	90.8	91.7	44.4	32.2
10	कर्नाटक	28.7	25.4	95.7	97.0	35.8	32.9
स्रोत: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) एनए: उपलब्ध नहीं है कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े 250-499 अभारित (अनवेटड) व्यक्ति-वर्षों के लिए मृत्यु के जोखिम पर आधारित हैं।							

जैसा कि नीति आयोग द्वारा सूचित किया गया है कि छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक राज्यों सहित पूरे भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याएं निम्न स्तर की शिक्षा, बेरोजगारी (अल्प रोजगार), विपणन के अवसरों की कमी, संपर्क साधनों (कनेक्टिविटी) की कमी, श्रमिक मजदूरी पर पर्याप्त निर्भरता आदि हैं।

सरकार देश भर में जनजातीय लोगों के समग्र विकास के लिए जनजातीय उप-योजना (टीएसपी)/अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी)/एसटी के विकास के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) लागू कर रही है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के अलावा, 41 केंद्रीय मंत्रालय/विभाग हर साल अपने कुल योजना आवंटन का कुछ प्रतिशत जनजातीय विकास के लिए डीएपीएसटी निधि के रूप में निर्धारित कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा डीएपीएसटी निधियों को देशभर में अनुसूचित जनजातियों के त्वरित सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, सड़क, आवास, पेयजल, विद्युतीकरण, रोजगार सृजन, कौशल विकास आदि से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए उनकी योजनाओं के तहत खर्च किया जाता है। अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए राज्य सरकारों को भी कुल राज्य योजना के संबंध में टीएसपी निधियों को राज्य में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या (जनगणना 2011) के अनुपात में निर्धारित करना चाहिए।

*****